

झुंझुनूं जिले में कृषि भूमि उपयोग प्रतिरूप में परिवर्तन : एक भौगोलिक विश्लेषण

डॉ. सुमन कुमार*

* प्राचार्य, शेखावाटी महाविद्यालय, लोसल (सीकर) (राज.) भारत

शोध सारांश - भूमि एक महत्वपूर्ण भौतिक संसाधन है, जो मानवीय जीवन निर्वाह का प्राकृतिक संसाधन है। भूमि उपयोग किसी भी क्षेत्र का आर्थिक-सांस्कृतिक जीवन निर्वाह को दर्शाता है। कृषि भूमि का अध्ययन इसलिए महत्वपूर्ण है कि किसी क्षेत्र के जनसंख्या के अनुपात में कुल कृषि भूमि का क्षेत्र, जोत क्षेत्र, बंजर भूमि, पुरानी पड़त, चालु पड़त, सिंचित तथा दुपज क्षेत्र की मात्रा कितनी है। कृषि भूमि उपयोग प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक, तकनीक तथा मानवीय क्रिया कलापों द्वारा प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होती है। इस शोध पत्र में राजस्थान के झुंझुनूं जिले का भूमि उपयोग का 1999-2000 से 2018-19 तक 20 वर्षों की समयावधि में आये परिवर्तनों का विश्लेषण किया गया है। साथ ही कृषि वर्ष 2018-19 के दौरान जिले के तहसीलानुसार कृषि भूमि उपयोग का वितरण प्रस्तुत किया गया है। इस शोध पत्र में शोधकर्ता द्वारा अध्ययन क्षेत्र में कृषि भूमि उपयोग का विगत 20 वर्षों के परिवर्तनों को द्वितीयक आकड़ों के आधार पर विश्लेषित किया गया है जिसके आधार पर वनभूमि, पड़त भूमि, सिंचित एवं कृषि भूमि के परिवर्तनों में दर्शाया गया है।

शब्द कुंजी - भूमि उपयोग, वन भूमि, जीवन निर्वाह।

प्रस्तावना - झुंझुनूं जिले में कृषि भूमि उपयोग में गत्यात्मकता रही है। कृषि उपयोग की परिवर्तनशीलता में प्राकृतिक, सांस्कृतिक, जिले की मानवीय तथा तकनीक कारकों का प्रभाव रहा है। प्रस्तुत शोध में भूमि उपयोग कृषि में परिवर्तनशील प्रवृत्ति एवं स्थानिक कारकों का अध्ययन किया गया है। जिले के कृषि भूमि उपयोग का अध्ययन का मुख्य उद्देश्य पर्यावरणीय संतुलन, कृषि भूमि का विकास, वन भूमि में वृद्धि, वन आधारित उद्योगों का विकास तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए सुनियोजित सुझाव प्रस्तुत करना है।

कृषि भूमि उपयोग को प्रभावित करने वाले कारक

1. भौतिक कारक

- | | | |
|-------------|------------|--------------|
| (अ) उच्चावच | (ब) जलवायु | (स) तापमान |
| (द) वर्षा | (य) मिट्टी | (र) आर्द्रता |

2. सामाजिक कारक

- (अ) कृषि प्रणाली
- (ब) कृषक समुदाय की सामाजिक स्थिति एवं विशेषता
- (स) भू-स्वामित्व प्रणाली
- (द) जोत का आकार

3. आर्थिक कारक

- | | |
|--------------------|-----------------------|
| (अ) कृषि उपकरण | (ब) उर्वरक, बीज उपयोग |
| (स) सिंचाई साधन | (द) कृषि उद्यम |
| (य) बाजार | (र) श्रम |
| (ल) यातायात | (य) प्रशासनिक संबंध |
| (र) पूंजीगत संसाधन | |

4. तकनीकी कारक

- (अ) कुदाल तकनीकी
- (ब) हल तकनीकी
- (स) मशीनीकरण तकनीकी

5. सांस्कृतिक एवं मानवीय कारक

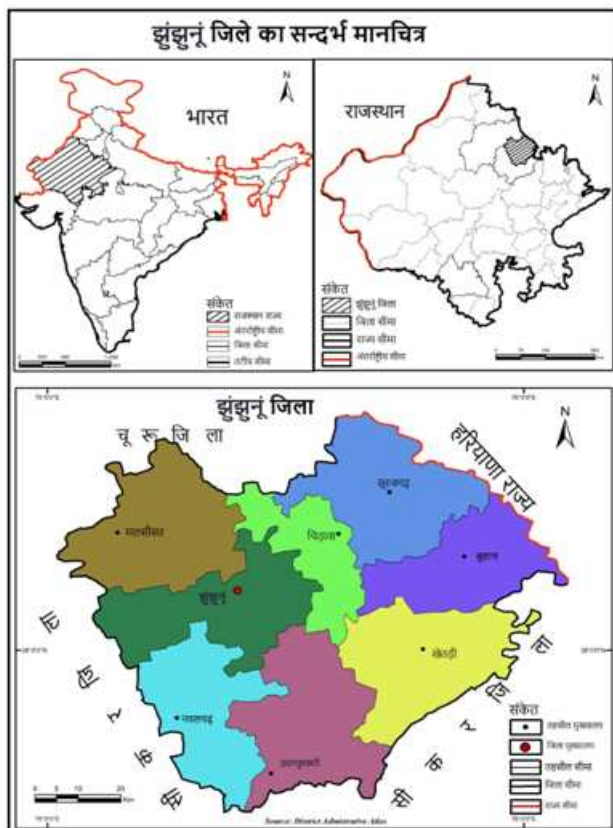
- (अ) सहकारिता
- (ब) किसान का जीवन स्तर
- (स) परिवार का आकार
- (स) जनसंख्या संरचना
- (द) फसल चयन प्रवृत्ति

कृषि भूमि उपयोग का वर्गीकरण - सामान्यतः कृषि भूमि उपयोग का वर्गीकरण निम्न 8 भागों में वर्गीकृत किया जाता है।

1. वन भूमि (जंगलात भूमि)
2. कृषि अयोग्य भूमि
 - गैर कृषि उपयोग भूमि
 - बंजर एवं अकृषित भूमि (ऊसर भूमि)
3. अन्य अकृषित भूमि पड़त भूमि के अतिरिक्त जोत रहित भूमि
 - स्थायी चारागाह तथा अन्य गोचर भूमि
 - वृक्षों के झुण्ड तथा बाग आदि से युक्त भूमि
4. कृषि योग्य बंजर भूमि
5. पुरानी पड़त भूमि
6. चालु पड़त भूमि
7. बोया गया कुल क्षेत्र
8. दुपज क्षेत्र

अध्ययन क्षेत्र : अध्ययन क्षेत्र झुंझुनूं जिला राजस्थान के उत्तरी-पूर्वी भाग में अवस्थित है। प्रशासनिक रूप से सीकर संभाग के अंतर्गत आता है।

अध्ययन क्षेत्र झुंझुनू जिला समुद्रतल से लगभग 338 मीटर की ऊँचाई पर 27°38' से 28°36' उत्तरी अक्षांश तथा 75°02' से 76°06' पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। जिले का कुल भौगोलिक विस्तार 5928 वर्ग किमी है। जिला मुख्यालय राज्य की राजधानी जयपुर से 187 किलोमीटर दूर स्थित है। झुंझुनू जिले में स्थित अरावली पर्वत श्रृंखला देहली सुपर ग्रुप की श्रेणी के अंतर्गत आती हैं। जिले में तांबे के साथ-साथ जिले में ग्रेनाइट और लाइम स्टोन के विशाल भंडार उपलब्ध हैं। जिले का अधिकांश भाग मरुस्थली है, दक्षिणी पूर्वी भाग में अरावली पर्वत श्रृंखला विस्तृत है।



जिले में वर्षभर बहने वाली कोई नदी नहीं है। वर्षा कालीन कांटली प्रमुख नदी है। जलवायुवीय दृष्टि से जिला उष्ण एवं अर्द्ध शुष्क क्षेत्र है। वार्षिक वर्षा 20 से 40 सेमी के मध्य होती है। जिले में ग्रीष्मकाल में अधिकतम तापमान कई बार 45 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो जाता है। जिले में 2011 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या 21,37,045 हैं, जनसंख्या घनत्व 361 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। जिले की कुल जनसंख्या में 22.89 प्रतिशत जनसंख्या शहरी क्षेत्रों में निवास करती है। जिले में लिंगानुपात 950 है। साक्षरता दर की दृष्टि से जिला अग्रिणी है। जिले में महिला साक्षरता 60.95 प्रतिशत है, पुरुष साक्षरता दर 86.90 प्रतिशत है। जिले में 2011 की जनगणना के अनुसार कुल साक्षरता 74.13 प्रतिशत है।

शोध उद्देश्य : किसी भी शोध कार्य के सार्थकता के लिए उद्देश्य निर्धारित होते हैं। प्रस्तुत शोध कार्य के उद्देश्य निम्न हैं -

1. भूमि उपयोग को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन।
2. जिले के कृषि भूमि उपयोग का स्थानिक वितरण प्रस्तुत करना।
3. झुंझुनू जिले के कृषि भूमि उपयोग का विगत 20 वर्षों के परिवर्तनों

का विश्लेषण करना।

शोध विधि :- शोध क्षेत्र झुंझुनू जिले में भूमि उपयोग के स्थानिक कालिक वितरण को भी बताने का प्रयास किया गया है। इस हेतु झुंझुनू जिले में भूमि उपयोग के विगत दो दशकों (1999-00 से 2018-19) के द्वितीयक आंकड़ों को विश्लेषित किया गया है। इन दो दशक के आंकड़ों में वार्षिक उतार-चढ़ाव को पाँच वर्षीय औसत के आधार पर निम्न चार समयावधियों में बाँटकर प्रतिशत में दर्शाया गया है - (1) 1999-00 से 2003-04, (2) 2004-05 से 2008-09, (3) 2009-10 से 2013-14 व (4) 2014-15 से 2018-19।

आँकड़ों के स्रोत - प्रस्तुत शोध पत्र के अध्ययन के लिए द्वितीयक आंकड़ों का संकलन किया गया है जिसके स्रोत निम्न हैं -

1. कृषि विभाग, भारत सरकार
2. आर्थिक एवं सांख्यिकीय निदेशालय, जयपुर (राज.)
3. जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, झुंझुनू (राज.)
4. जिला जनगणना प्रतिवेदन, 2001 एवं 2011 (झुंझुनू)
5. जिला कृषि विस्तार, झुंझुनू

कृषि भूमि उपयोग प्रतिरूप झुंझुनू जिले में भूमि उपयोग के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। जिले में वर्ष प्रतिरूप 2019-20 के दौरान कुल भौगोलिक क्षेत्र 5,91,536 हेक्टर क्षेत्र का वर्णों के अंतर्गत मात्र 6.77 प्रतिशत है। कृषि के लिए अनुपलब्ध भूमि के अंतर्गत लगभग 05 प्रतिशत क्षेत्र है जबकि अन्य अकृषित भूमि के अंतर्गत 7.22 प्रतिशत क्षेत्र है। इस वर्ष जिले में पडती भूमि के अंतर्गत 66421 हेक्टर क्षेत्र है जो की जिले के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 11.23 प्रतिशत भाग है।

जिले में शुद्ध बोया गया क्षेत्र 61-90 प्रतिशत क्षेत्र है। जिले में एक से अधिक बार बोये गये क्षेत्र में 40-87 प्रतिशत क्षेत्र है। जिले के भूमि उपयोग का स्थानिक वितरण तहसील अनुसार भी दर्शाया गया है। सर्वाधिक वन क्षेत्र खेतड़ी तहसील (20565 हेक्टर) के अंतर्गत एवं सूरजगढ़ तहसील में वन भूमि का पूर्ण रूप से अभाव पाया गया है, जबकि इसके विपरीत जिले में शुद्ध बोया गया क्षेत्र सबसे अधिक सूरजगढ़ तहसील (66055 हेक्टर) में एवं सबसे कम खेतड़ी तहसील (35514 हेक्टर) में दर्ज हुआ है। भूमि उपयोग के विगत 20 वर्षों (1999-00 से 2018-19) के आंकड़ों का कालिक विश्लेषण भी दर्शाया गया है। कालिक वितरण को प्रत्येक पांच वार्षिक औसत के आधार पर विश्लेषित कर के किया गया है।

जिससे स्पष्ट है कि शोध क्षेत्र झुंझुनू जिले में भूमि उपयोग में सामान्य परिवर्तन देखे जा सकते हैं। मुख्यतः पांच वर्षीय अवधि के प्रत्येक खंड में वन भूमि के अंतर्गत जिले में वन भूमि के अंतर्गत मामूली वृद्धि दर्ज की गयी है। जिले के कुल भौगोलिक क्षेत्र का प्रथम पांच वर्षीय अवधि में वर्णों के अंतर्गत 6.70 प्रतिशत भू भाग था जो थोड़ा-थोड़ा प्रत्येक पांच वर्षीय अवधि में बढ़ा। अंतिम पांच वर्षीय अवधि के दौरान यह बढ़कर 6.77 प्रतिशत हो गया। इसके विपरीत जिले में शुद्ध बोये गये क्षेत्र में हल्की कमी दर्ज की गयी है। कुल बोये गये क्षेत्र में भी उतार-चढ़ाव देखे जा सकते हैं। अध्ययन क्षेत्र में भूमि उपयोग को सबसे अधिक मानसून प्रभावित करता है। जिले में कृषि फसलों का भूमिगत जल से सिंचाई द्वारा ही उत्पादन किया जाता है। जिले में वर्तमान में भी भूमि उपयोग का सबसे बड़ा भाग कृषि अंतर्गत ही है।

भूमि उपयोग विश्लेषण - अध्ययन क्षेत्र झुंझुनू जिले में वर्ष 2019-20 में भूमि उपयोग के आंकड़ों के अनुसार जिले के कुल भौगोलिक क्षेत्र

591536 हैक्टर है। जिसमें वनों का क्षेत्रफल 40045 हैक्टर है। जो जिले के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 6.77 प्रतिशत है। यह राज्य के वन क्षेत्र से 2.8 प्रतिशत कम है। राष्ट्रीय वन नीति अनुसार क्षेत्र में 33 प्रतिशत वन क्षेत्र होना चाहिए जबकि अध्ययन क्षेत्र में वर्तमान में 26-33 प्रतिशत वन क्षेत्र कम है। जो वन और पर्यावरण के लिए चिन्ता का विषय है।

स्थानिक भूमि उपयोग विश्लेषण (2019-20) - जिले के भूमि उपयोग का स्थानिक वितरण तहसील अनुसार विश्लेषित किया गया जिसका निष्कर्ष निम्न प्रकार से है :-

तालिका 1.1 (अगले पृष्ठ पर देखें)

1. तालिका 1.1 के परिकलन के आधार पर अध्ययन क्षेत्र के मलसीसर एवं सुरजगढ़ तहसील में वन क्षेत्र (0.00) नगण्य है। खेतड़ी (25.46 प्रतिशत), उदयपुरवादी (17.18 प्रतिशत) वन क्षेत्र है, जो सर्वाधिक क्षेत्र में है। औसत वन क्षेत्र 33 प्रतिशत का अभाव पाया गया है।
2. कृषि अयोग्य भूमि क्षेत्र के अन्तर्गत सर्वाधिक रूप में चिड़ावा तहसील (6.48 प्रतिशत) झुन्झुनू तहसील (6.28 प्रतिशत) क्षेत्र है।
3. पड़त भूमि क्षेत्र के अन्तर्गत झुन्झुनू (21.97), नवलगढ़ (19.36), मलसीसर (17.85) प्रतिशत भूमि क्षेत्र है, जो अध्ययन क्षेत्र में सर्वाधिक है।
4. शुद्ध बोया गया भूमि क्षेत्र के अन्तर्गत सुरजगढ़ तहसील (81.89), चिड़ावा तहसील (74.11), बुहाना तहसील (72.07), मलसीसर तहसील (69.41), नवलगढ़ तहसील (65.36), झुन्झुनू तहसील (62.52) भूमि क्षेत्र है, जो सर्वाधिक है। जबकि न्यूनतम बोया भूमि क्षेत्र के अन्तर्गत खेतड़ी (43.96), उदयपुरवादी (57.43) तहसील आती है।

भूमि उपयोग कालिक विश्लेषण (वर्ष 1999-2000 से 2018-19)
जिले के भूमि उपयोग का कालिक परिवर्तन का विश्लेषण किया गया जिसका निष्कर्ष निम्न प्रकार से है:-

तालिका 1.2 (अगले पृष्ठ पर देखें)

तालिका 1.2 में अध्ययन क्षेत्र झुन्झुनू जिले के वर्ष 1999-2000 से 2008-09 की दशकीय अवधि का भूमि उपयोग का औसत परिवर्तन का परिकलन किया गया। तालिका 1.2 के आंकड़ों के अनुसार जिले में समेकित रूप से वन भूमि आंशिक परिवर्तन 0.1 प्रतिशत वृद्धि देखा गया। कुल अकृषि भूमि एवं चारगाह भूमि में क्रमशः 0.11 प्रतिशत, 0.10 प्रतिशत आंशिक कमी दर्ज की गई। पड़त भूमि में 0.03 प्रतिशत, चालु पड़त भूमि में 3.09 तथा कुल पड़त भूमि में 3.13 प्रतिशत कमी दर्ज गई।

जिले में 1999-2000 से 2008-09 के दशकीय अवधि में शुद्ध बोया गया क्षेत्र 2.79 प्रतिशत तथा कुल बोया गया क्षेत्रफल 12.14 प्रतिशत वृद्धि देखा गया है।

तालिका 1.3 (अगले पृष्ठ पर देखें)

तालिका 1.3 में वर्ष 2009-10 से 2018-19 के अवधि का झुन्झुनू जिले में भूमि उपयोग का औसत का परिकलन किया गया। तालिका 1.3 के अनुसार जिले में वनभूमि में 0.04 प्रतिशत आंशिक वृद्धि दर्ज हुई है। स्थायी चारगाह 0.01 कमी देखी गई। कृषि योग्य बंजर भूमि में 0.02 प्रतिशत वृद्धि देखी गई। जिले में दशकीय अवधि में कल पड़त भूमि के अन्तर्गत पड़त भूमि 1.41 प्रतिशत, चालु पड़त भूमि 1.06 प्रतिशत तथा कुल पड़त भूमि 2.51 प्रतिशत तथा कुल बोया गया क्षेत्रफल में काफी 7.17 प्रतिशत गिरावट दर्ज

हुई है।

सुझाव :

1. सिंचाई सुविधाओं में बढ़ावा - झुन्झुनू जिले में 90 प्रतिशत से अधिक सिंचाई कुएं/ट्यूबवैल भूमिगत जल संसाधनों द्वारा होती हैं, जिसके कारण भूमिगत जल में प्रतिवर्ष कमी हो रही है। जिले में सिंचाई के लिए वर्षा जल का सदुपयोग की आवश्यकता है।

2. शुष्क कृषि पद्धति - झुन्झुनू जिले में वर्षा एवं सिंचाई के अभाव में शुष्क कृषि पद्धति द्वारा फसल उत्पादन किया जाता है। भूमिगत जल दोहन कम करने, पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण, आर्थिक लाभ एवं अधिक उत्पादन के लिए शुष्क कृषि पद्धति अपनानी चाहिए।

3. आधारभूत सुविधाएं - कृषि पारिस्थिति की एवं फसल उत्पादन में उच्च स्थिति के लिए आधारभूत सुविधा की आवश्यकता होती है।

1. परिवहन सुविधा
2. ऋण सुविधा
3. सहकारिता की सुविधा
4. मशीनीकरण
5. विद्युत सुविधा
- 4 अन्य - झुन्झुनू जिले के कृषि भूमि उपयोग, कृषि पारिस्थितिकी तथा उच्च फसल उत्पादन के लिए सुझाव प्रस्तुत हैं। अतः कार्यक्रम का क्रियान्वयन की आवश्यकता है।

1. सामाजिक वामिकी कार्यक्रम
2. प्राकृतिक पर्यावरण संरक्षण
3. जैविक संसाधन की रक्षा करना
4. भूमि सुधार कार्यक्रम
5. गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम
6. वन विकास कार्यक्रम
7. शिक्षा
8. सामाजिक जागरूकता
9. पड़त भूमि का विकास
10. अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं बूंद-बूंद सिंचाई पद्धति

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. चौहान, जसवन्त सिंह 2012, 'टोंकजिल में कृषि पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण कियोजन', पी.एच.डी. थिसिस, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर
2. टाली, ऋतु (2005) - 'कृषि भूमि उपयोग एवं प्रारूप में परिवर्तन (उदयपुर जिले का एक भौगोलिक अध्ययन)' पी.एच.डी. थिसिस, जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान)
3. Choubisa, Kishan (2002) "Agricultural landuse and population of mansiwakal Basin" Ph.D. Thesis, MLSU, Udaipur.
4. कुमार, सुमन (2021), 'झुन्झुनू जिले के खाद्यान्न फसलों में गत्यात्मक: एक भौगोलिक विश्लेषण' पी.एच.डी. शोधग्रंथ मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान)
5. Salvi. LL (1989): Spatio - Temporal Dimensions of crop Pattern and Level of Crop Productivity in Rajasthan-

1956-59 to 1987-89, M.Phil, Disseration MLSU, Udaipur.

6. भूरिया, राधुसिंह एवं गोरस्या, आर. आर. (2024):- 'झाबुआ जिले में कृषि विकास एवं भूमि उपयोग प्रतिरूप परिवर्तन : एक भौगोलिक विश्लेषण' -शोधपत्र, Jan. to March, 2024, Vol-I, Issue-XLV,

Naveen Shodh Sansar ISSN-2320-8767

7. शर्मा, मुकेश एवं शर्मा, रामकिशोर -(2015) - 'झुंझुनूं जिले में भूमि उपयोग, समस्याएं एवं निदान,' शोधपत्र, Jan. to Dec.2015, Vol-3, Internatinal Journal of Geology, Agri Culture and Environmental Sciencs.

तालिका 1.1: झुंझुनूं जिले के तहसील अनुसार भूमि उपयोग का वर्गीकरण (2019-20)

क्र.	भूमि का वर्गीकरण	कुल भौगोलिक क्षेत्र का प्रतिशत (तहसीलनुसार)							
		झुंझुनूं	चिड़ावा	खेतड़ी	उदयपुरवाटी	नवलगढ़	बुहाना	मलसीसर	सुरजगढ़
1.	वन क्षेत्र	1.31	0.23	25.46	17.18	23.20	2.40	0.00	0.00
2.	जोत रहित भूमि	7.61	743	7.01	3.99	5.77	9.49	9.44	7.86
3.	कृषि अयोग्य भूमि	6.28	6.48	5.52	6.18	5.14	3.76	3.15	3.63
4.	पड़त भूमि	21.97	4.85	11.39	1.46	19.36	10.05	17.85	0.06
5.	शुद्ध बोया गया क्षेत्र	62.52	74.11	43.96	57.53	65.36	72.07	69.14	81.89
6.	अन्य भूमि क्षेत्र	0.08	3.89	6.71	13.66	0.05	2.22	0.14	6.56
7.	कुल भौगोलिक क्षेत्रफल	80685	49449	80779	84675	68545	65180	81557	80666

स्रोत : जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, झुंझुनूं, 2020

तालिका 1.2: अध्ययन क्षेत्र झुंझुनूं जिले में दशकीय भूमि उपयोग का औसत

क्र.	भूमि उपयोग वर्गीकरण		(1999-00 से 2003-04) औसत		(2004-05 से 2008-09) औसत		दशकीय औसत अन्तर (प्रतिशत) (7-5)
			क्षेत्रफल (हे.में)	प्रतिशत (कुल भौगोलिक क्षेत्र का)	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	प्रतिशत	
1	2	3	4	5	6	7	8
1		वन भूमि	39615	6.70	39667	61.71	0.01
2	कृषि के लिए अनुपलब्ध	गैर कृषि कार्यों के अन्तर्गत क्षेत्र	20153	3.41	22113	3.74	0.33
		बंजर एवं कृषि अयोग्य भूमि	15347	2.59	15367	2.60	0.01
		कृषि के लिए अनुपलब्ध	35500	6.00	37481	6.34	0.34
3.	अन्य अकृषित भूमि	स्थायी चारागाह एवं अन्य चारागाह	40283	6.81	39609	6.70	-0.11
		विविध प्रकार के पौधे	83	0.01	91	0.02	0.01
		कृषि योग्य बंजर भूमि	6326	1.07	6884	1.16	0.09
		कुल अकृषित भूमि	46692	7.89	46584	7.88	-0.01
4	कुल पड़त भूमि	पड़त भूमि : चालू पड़त के अलावा	21894	370	21684	3.67	-0.03
		चालू पड़त भूमि	40162	6.79	21874	3.70	-3.09
		कुल पड़त भूमि	62056	10.49	435858	7.36	-3.13
5.		शुद्ध बोया गया क्षेत्र	407820	68.93	424246	71.72	2.79
6.		कुल भौगोलिक क्षेत्र	591683	100.00	591536	100.00	0
7.		कुल बोया गया क्षेत्र	592734	100.18	664395	112.32	12.14
8.		एक से अधिक बार बोया गया क्षेत्र	184914	31.25	240149	40.60	9.35

स्रोत : कृषि सांख्यिकीय, कृषि मन्त्रालय, भारत सरकार

तालिका 1.3: अध्ययन क्षेत्र झुंझुनूं जिले में दशकीय भूमि उपयोग का औसत

क्र.	भूमि उपयोग वर्गीकरण		(2009-10 से 2014-15) औसत		(2014-15 से 2018-19) औसत		दशकीय औसत अन्तर (प्रतिशत) (7-5)
			क्षेत्रफल (हे.में)	प्रतिशत (कुल भौगोलिक क्षेत्र का)	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	प्रतिशत	
1	2	3	4	5	6	7	8
1	वन भूमि	39826	6.73	400045	6.77	0.04	
2	कृषि के लिए अनुपलब्ध	गैर कृषि कार्यों के अन्तर्गत क्षेत्र	22228	3.76	22189	3.75	-0.01
		बंजर एवं कृषि अयोग्य भूमि	15650	2.65	15706	2.66	0.01
		कृषि के लिए अनुपलब्ध	37878	6.40	37895	6.41	0.01
3.	अन्य अकृषित भूमि	स्थायी चारागाह एवं अन्य चारागाह	39356	6.65	39252	6.64	-0.01
		विविध प्रकार के पौधे	52	0.01	30	0.01	0
		कृषि योग्य बंजर भूमि	6122	1.03	6207	1.05	0.02
		कुल अकृषित भूमि	45530	7.7	45488	7.69	-0.01
4	कुल पड़त भूमि	पड़त भूमि : चालू पड़त के अलावा	30046	5.08	38383	6.49	1.41
		चालू पड़त भूमि	24464	4.14	30778	5.20	1.06
		कुल पड़त भूमि	54510	9.22	69161	11.69	2.47
5.	शुद्ध बोया गया क्षेत्र		413791	69.95	398947	67.44	-2.51
6.	कुल भौगोलिक क्षेत्र		591536	100	591535	100	0
7.	कुल बोया गया क्षेत्र		673240	113.81	630817	106.64	-7.17
8.	एक से अधिक बार बोया गया क्षेत्र		259448	43.86	231870	39.20	-4.66

स्रोत : कृषि सांख्यिकीय, कृषि मन्त्रालय भारत सरकार
